वर्ष 2023–2024 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार कर्मचारियों के लिए ''सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी'' प्रोत्साहन योजना लागू की गई है।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत राजभाषा विभाग द्वारा यथा–विनिर्दिष्ट सभी 14 दस्तावेजों को अनिवार्य रूप से द्विभाषी रूप में जारी किया जाता है। संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की मोहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा है।

वर्ष 2023–2024 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं:–

- संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप–समिति द्वारा दिनांक 25 मई, 2023 को होटल हयात, देहरादून में संस्थान के हिंदी कार्यों का निरीक्षण किया गया।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार के रुड़की स्थित सदस्य संगठनों के पदाधिकारियों के लिए पावर ग्रिड कार्पोरेशन पुहाना, रुड़की द्वारा दिनांक 20 जून, 2023 को आई.आई.टी. रुड़की में आयोजित ''हिंदी यूनीकोड कार्यशाला'' में संस्थान के दो कर्मचारियों ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

- संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए ''राजभाषा हिंदी में कार्य करने की अभिप्रेरणा'' विषय पर दिनांक 23 जून, 2023 को एक–दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 22 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं बैठक दिनांक 30 जून, 2023 को निदेशक, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।

- ''सरकारी कामकाज में टिप्पणी/आलेखन मूल रूप से हिंदी में करने'' संबंधी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत संस्थान के 10 कर्मचारियों को दिनांक 15 अगस्त, 2023 को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

- दिनांक 17–18 अगस्त, 2023 को ''जलवायु परिवर्तन एवं जल प्रबंधन'' विषय पर 7वीं राष्ट्रीय जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में देश के भिन्न–भिन्न भागों से आए वैज्ञानिकों/अभियंताओं/शिक्षाविदों/शोध–छात्रों द्वारा उपर्युक्त विषय–वस्तु से जुड़े विभिन्न विषयों पर आठ अलग–अलग तकनीकी सत्रों में कुल 69 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। संगोष्ठी में 100 से भी अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

- ''हिंदी में तकनीकी पुस्तक लेखन'' पुरस्कार योजना के अंतर्गत वर्ष 2020–21 के लिए ''वर्षा जल संचयन एवं जल संरक्षण'' नामक पुस्तक के लेखक को रु. 50,000.00 की नकद राशि एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

- नगर राजभाषा कार्यान्वनयन समिति, हरिद्वार की दिनांक 22 अगस्त, 2023 को आयोजित 36वीं अर्धवार्षिक बैठक में निदेशक, राजसं सहित कुल तीन अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- दिनांक 01 सितंबर, 2023 को संस्थान के नव–नियुक्त वैज्ञानिकों को राजभाषा प्रभारी द्वारा संस्थान में हो रहे राजभाषा हिंदी संबंधी कार्यों की विस्तृत जानकारी एक पावर प्वांइट प्रस्तुति के माध्यम से दी गई।

- संस्थान के दो कर्मचारियों को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा दिनांक 14–15 सितंबर, 2023 को पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभाग करने हेतु भेजा गया।

- संस्थान में दिनांक 14 सितंबर, 2023 से 28 सितंबर, 2023 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी की सात प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस समारोह में संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका ''प्रवाहिनी'' (2023) का विमोचन भी किया गया। हिंदी पखवाड़े का मुख्य समारोह दिनांक 06 अक्टूबर, 2023 को आयोजित किया गया, बेहतर प्रदर्शन करने वाले 46 पदाधिकारियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

- संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ''भारत सरकार की राजभाषा नीति, नोटिंग/ड्राफ्टिंग, हिंदी पत्र लेखन, कम्प्यूटर पर हिंदी कार्य आदि विषयों पर दिनांक 20 सितंबर, 2023 को एक–दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 26 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 88वीं बैठक दिनांक 27 सितंबर, 2023 को निदेशक राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थांन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।

- संस्थान के नव–नियुक्त वैज्ञानिकों के लिए दिनांक 08 दिसंबर, 2023 को आयोजित ऑरिएंटेशन कार्यक्रम में राजभाषा प्रभारी द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में 21 वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 89वीं बैठक दिनांक 28 दिसंबर, 2023 को निदेशक राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य–योजना तैयार की गई।

- संस्थान में राजभाषा चल शील्ड पुरस्कार योजना के तहत (i) मुख्यालय के प्रशासन अनुभाग तथा (ii) क्षेत्रीय केंद्र, काकीनाडा को वर्ष 2022–23 के दौरान हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

- संस्थान के एक अधिकारी को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा दिनांक 28 दिसंबर, 2023 को आई.आई.टी. जोधपुर में आयोजित उत्तर क्षेत्र–1 एवं 2 के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभागिता हेतु नामित किया गया।

- संस्थान की वर्ष 2022–23 की वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी रूपांतरण किया गया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की दिनांक 29 जनवरी, 2024 को आयोजित 37वीं अर्धवार्षिक बैठक में प्रभारी निदेशक, राजसं सहित कुल चार पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा राजसं को वर्ष 2022–23 के दौरान हिंदी में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजभाषा चल वैजयंती शील्ड–द्वितीय प्रदान की गई।
- संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े विभिन्न विषयों पर दिनांक 20 मार्च, 2024 को एक–दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 19 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 90वीं बैठक दिनांक 26 मार्च, 2024 को निदेशक, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।
- संस्थान द्वारा वर्ष 2023–24 के दौरान दो हिंदी पत्रिकाएं प्रकाशित की गईं (i) प्रवाहिनी (वर्ष–2023) तथा (ii) जल चेतना (जुलाई–2023 एवं जनवरी–2024 अंक)।